

राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति, छत्तीसगढ़

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

पर्यावास भवन, सेक्टर - 19,

अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल: seiaacg@gmail.com

341
छ.प्रति.

एस.आई.ए.सी. छ.ग. / से.एवंडिप्ट. / रायपुर / 664 अटल नगर, दिनांक 06/12/2018

मेसर्स हीरा स्टील्स लिमिटेड
ग्राम-रावाभाटा,
रावाभाटा इण्डस्ट्रीयल एरिया,
तहसील-रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

- विषय :- क्षमता विस्तार के तहत खसरा नं. 720/1, 720/2, 720/3, 720/4, 720/5, 720/6, 720/7, 720/8, 722/1, 722/2, 730/1, 730/2, 730/3, 730/4, 730/5, 730/6, 732/2, 735/2, 736, 737, 721/2, 723, 731, 732/1, 733 एवं 710/10, कुल एरिया 8.394 हेक्टेयर, ग्राम-रावाभाटा, रावाभाटा इण्डस्ट्रीयल एरिया, तहसील-रायपुर, जिला-रायपुर में रोलिंग मिल विथ गैसीफायर क्षमता-1,20,000 टन/वर्ष से 2,40,000 टन/वर्ष टन/वर्ष एवं वॉयर ड्राइंग क्षमता-60,000 टन/वर्ष से 1,20,000 टन/वर्ष, इन्डक्शन फर्नेस विथ रोलिंग मिल (हॉट चार्जिंग) क्षमता - 3,00,000 टन/वर्ष, गैल्वेनाइजिंग यूनिट क्षमता - 50,000 टन/वर्ष एवं बाइन्डिंग वॉयर क्षमता - 50,000 टन/वर्ष हेतु टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) जारी करने के संबंध में।
- संदर्भ :- आपका ऑनलाईन आवेदन प्रोजेक्ट नम्बर - एसआईए/ सीजी/ आईएनडी/ 21555/2018, दिनांक 06/01/2018 एवं अनुवर्ती पत्रचार पत्र दिनांक 25/07/2018

—: 00 :—

विषयान्तर्गत संदर्भित आवेदन एवं अनुवर्ती पत्रों का अवलोकन करें।

- ऑनलाईन आवेदन - प्रोजेक्ट नम्बर - एसआईए/ सीजी/ आईएनडी/ 21555/2018, दिनांक 06/01/2018।

प्रस्ताव का विवरण - परियोजना प्रस्तावक द्वारा क्षमता विस्तार के तहत खसरा नं. 720/1, 720/2, 720/3, 720/4, 720/5, 720/6, 720/7, 720/8, 722/1, 722/2, 730/1, 730/2, 730/3, 730/4, 730/5, 730/6, 732/2, 735/2, 736, 737, 721/2, 723, 731, 732/1, 733 एवं 710/10, कुल एरिया 8.394 हेक्टेयर, ग्राम-रावाभाटा, रावाभाटा इण्डस्ट्रीयल एरिया, तहसील-रायपुर, जिला-रायपुर में निम्नानुसार क्षमता विस्तार हेतु टीओआर बाबत आवेदन किया गया है-

कार्यकलाप	स्थापित क्षमता	क्षमता विस्तार उपरांत प्रस्तावित क्षमता

रोलिंग मिल विध गैसीफायर	1,20,000 टन/वर्ष	2,40,000 टन/वर्ष
वीयर ड्राइंग	60,000 टन/वर्ष	1,20,000 टन/वर्ष
इन्डक्शन फर्नेस विध रोलिंग मिल (हॉट चार्जिंग)	-	3,00,000 टन/वर्ष
गैल्वनाइजिंग यूनिट	-	50,000 टन/वर्ष
बाइन्डिंग वीयर	-	50,000 टन/वर्ष

- क्षमता विस्तार का कुल विनियोग रुपये 7147.47 लाख प्रस्तावित है।
- प्रकरण पर पूर्व बैठक में विचार – परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तुतीकरण हेतु एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के पत्र दिनांक 12/01/2018 के द्वारा निम्न जानकारियां / दस्तावेजों सहित उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया-
 1. वर्तमान में स्थापित इकाईयों हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जारी सम्मति शर्तों के पालनार्थ की कार्यवाही की बिन्दुवार जानकारी प्रस्तुत किया जावे।
 2. भूमि स्वामित्व संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किया जावे।
 3. वर्तमान रोलिंग मिल में सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया गया है अथवा नहीं ? क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल में सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है अथवा नहीं? सी-हीटिंग फर्नेस स्थापित है तो सी-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा, प्रयुक्त ईंधन के आधार पर चिमनी की ऊंचाई गणना एवं वर्तमान में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी। वर्तमान में स्थापित इन्डक्शन फर्नेस की संख्या, क्षमता, इसमें स्थापित प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था एवं स्थापित चिमनी की ऊंचाई संबंधी जानकारी गणना सहित। क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल में यदि सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है तो सी-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा, प्रयुक्त ईंधन के आधार पर चिमनी की ऊंचाई गणना सहित जानकारी एवं प्रस्तावित वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत किया जावे।
 4. ग्राउण्ड वॉटर रिचार्जिंग हेतु रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जावे।
- एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ की 248वीं बैठक दिनांक 19/01/2018 में प्रकरण पर विचार किया गया था। प्रस्तुतीकरण के लिए श्री अजय अलुवालिया, डॉयरेक्टर एवं पर्यावरण सलाहकार मेसर्स पायोनियर इन्वायरो लेबोरेट्रीज एण्ड कन्सलटेन्ट प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद की ओर से श्री सुधीर सिंह उपस्थित थे। समिति द्वारा तत्समय नोट किया गया था कि-
 1. उद्योग स्थल सिविलरती पॉलुटेड एरिया में होने के कारण छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर से क्षमता विस्तार के संबंध में अभिमत प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
 2. वर्तमान में स्थापित इकाईयों हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा जारी सम्मति शर्तों के पालनार्थ की कार्यवाही की बिन्दुवार जानकारी प्रस्तुत की गई है।

3. भूमि स्वामित्व / भूमि आवंटन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत की गई है।
4. सेंट्रल ग्राउंड वॉटर अधीनस्थता द्वारा जारी गाईडलाईन अनुसार परियोजना स्थल सेमी क्रिटिकल जोन के अंतर्गत आता है। ग्राउंड वॉटर उपयोग करने हेतु सेंट्रल ग्राउंड वॉटर अधीनस्थता की अनुमति हेतु आवेदन किया जावेगा।
5. समीपस्थ ग्राम-रावामाटा 0.75 कि.मी. एवं रायपुर 3.0 कि.मी. की दूरी पर है। निकटतम रेलवे स्टेशन उरकुरा 2.8 कि.मी. की दूरी पर है। स्वामी विवेकानंद विमानपत्तन, माना, रायपुर 17 कि.मी. की दूरी पर है। छोकरा नाला 0.7 कि.मी. एवं खारन नदी 6.2 कि.मी. की दूरी पर है। राष्ट्रीय राजमार्ग 0.65 कि.मी. है।
6. 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविकिधता क्षेत्र स्थित नहीं होना बताया गया है।
7. जल एवं वायु सम्मति - छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से सी-रोलिंग मिल क्षमता 1,20,000 मीट्रिक टन/वर्ष हेतु जल एवं वायु सम्मति दिनांक 28/05/2016 तथा एच.बी.वायर क्षमता 60,000 मीट्रिक टन/वर्ष हेतु जल एवं वायु सम्मति दिनांक 10/05/2013 को जारी की गई है।
8. प्रस्तावित क्षमता विस्तार हेतु रॉ-मटेरियल -

रॉ-मटेरियल	आवश्यक कुल मात्रा	परिवहन
इण्डक्शन फर्नेस - 3,00,000 टन / वर्ष		
स्पंज आयरन	2,47,800 टन/वर्ष	सड़क मार्ग से ड्रॉकें हुए ट्रकों द्वारा
स्कैप	1,06,200 टन/ वर्ष	
फैरो एलॉयज	4,500 टन/ वर्ष	
रोलिंग मिल (टीएमटी बार एण्ड स्ट्रक्चरल स्टील) - 1,20,000 टन/वर्ष		
हॉट मेटल	1,28,400 टन/वर्ष	स्वयं के प्लांट से उत्पादित।
फर्नेस ऑयल	12 कि.ली./दिन	सड़क मार्ग से ड्रॉकें हुए ट्रकों द्वारा।
कोल गैसीफायर हेतु	48 टन/दिन	सड़क मार्ग से ड्रॉकें हुए ट्रकों द्वारा
गैल्वेनाइजिंग ईकाई		
सी-रोल्ड स्टील / एम. एस. पाईप	55,000 टन/वर्ष	स्वयं के प्लांट से उत्पादित
जिंक	10 टन/दिन	मार्केट से क्रय कर, परिवहन
एसीड (HCL)	7.2 कि.ली./दिन	

अमोनियम जिंक क्लोराइड	0.7 कि.ली./दिन	सड़क मार्ग से ट्रकों द्वारा
सोडियम डाई-क्रोमेट	4.0 कि.ग्रा./दिन	
कोल फार गैसीफायर अथवा फर्नेस ऑयल	8.4 टन/दिन अथवा 3.3 कि.ली./दिन	

9. जल खपत एवं स्रोत - स्थापित परियोजना हेतु 110 कि.ली./दिन (घरेलू उपयोग हेतु 10 कि.ली./दिन एवं रोलिंग मिल विध गैसीफायर हेतु 100 कि.ली./दिन) जल की खपत होती है। क्षमता विस्तार उपरांत परियोजना हेतु कुल 390 कि.ली./दिन (घरेलू उपयोग हेतु 20 कि.ली./दिन, रोलिंग मिल विध गैसीफायर हेतु 200 कि.ली./दिन, इण्डक्शन फर्नेस विध रोलिंग मिल हेतु 140 कि.ली./दिन एवं गैल्वेनाइजिंग इकाई हेतु 30 कि.ली./दिन) का उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में आवश्यक जल की आपूर्ति भू-जल से किया जाता है। क्षमता विस्तार के तहत उपरोक्त व्यवस्था अपनाई जावेगी।
10. जल प्रदूषण नियंत्रण - वर्तमान में घरेलू दूषित जल की मात्रा 08 कि.ली./दिन है, जिसके उपचार हेतु सेप्टिक टैंक एवं सोकपिट स्थापित है। क्षमता विस्तार उपरांत घरेलू दूषित जल की मात्रा 16 कि.ली./दिन एवं गैल्वेनाइजिंग इकाई से 23 कि.ली./दिन होगी। इस प्रकार कुल क्षमता विस्तार उपरांत कुल उत्पन्न दूषित जल की मात्रा 39 कि.ली./दिन होगी। कूलिंग उपरांत प्राप्त दूषित जल को ठंडा कर पुनर्वापयोग किया जाता है। दूषित जल के उपचार हेतु क्षमता विस्तार के तहत उपरोक्त व्यवस्था अपनाई जावेगी। गैल्वेनाइजिंग इकाई से प्राप्त दूषित जल को इन्फ्यूरेण्ट ट्रीटमेंट प्लांट में उपचारित किया जाना प्रस्तावित है। शून्य निस्सारण की स्थिति रखी जावेगी।
11. ठोस अपशिष्ट अपवहन व्यवस्था -

इकाई	ठोस अपशिष्ट	मात्रा	अपवहन व्यवस्था
इण्डक्शन फर्नेस	स्लेग	30,000 टन/वर्ष	स्लेग क्रशिंग युनिट्स से आयरन रिकवरी कर शेष को ब्रिक्स प्लांट्स को उपलब्ध कराया जावेगा।
रोलिंग मिल	मिल स्कैल	1,600 टन/वर्ष	सिस्टर कंसर्न युनिट (Sister concern unit) में उपयोग किया जावेगा।
	एण्ड कटिंग	4,600 टन/वर्ष	रिसायकल कर स्वयं के इण्डक्शन फर्नेस में

			पुर्नउपयोग किया जावेगा।
मैल्वेनाइजिंग इकाई	ज़िंक ऐश	840 कि.ग्रा./दिन	रिसायक्लर को विक्रय किया जावेगा।
	ज़िंक ड्रांस	1.1 टन/दिन	रिसायक्लर / एक्सट्रेक्शन प्लांट को विक्रय किया जावेगा।
	ईटीपी स्लज	200 कि.ग्रा./दिन	टीएसडीएफ साइट्स को दिया जावेगा।

12. भू-जल उपयोग प्रबंधन – परियोजना स्थल सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड के अनुसार सभी क्रिटिकल जोन में आता है। जिसके अनुसार—

(अ) बृहद एवं मध्यम उद्योगों को कम से कम 50 प्रतिशत दूषित जल का पुर्नचक्रण एवं पुर्नउपयोग किया जाना है।

(ब) ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज हेतु अपनाई गई तकनीक यथा रेनवाटर हार्वेस्टिंग / ऑर्टिफिशियल जल रिचार्ज के आधार पर भू-जल निकाले जाने की अनुमति सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड द्वारा दिये जाने का प्रावधान है। अतः उद्योग को रेनवाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।

(स) ग्राउण्ड वाटर उपयोग करने हेतु सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर अथॉरिटी से अनुमति हेतु आवेदन किया गया है।

13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण के दौरान यह बताया गया कि वर्तमान में 5200 नग वृक्षारोपण किया गया है एवं हरित पट्टिका के विकास हेतु कुल क्षेत्रफल का 3.88 हेक्टेयर (33 प्रतिशत) में पौधे रोपित किया जाना प्रस्तावित है।

14. विद्युत आपूर्ति स्रोत – परियोजना हेतु आवश्यक विद्युत की आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी से की जावेगी।

15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में समिति द्वारा वांछित पूर्ण जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। यह भी नोट किया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान उपरोक्त संबंध में जानकारी प्रस्तुत नहीं की जा सकी।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था कि—

1. लेण्ड एरिया स्टेटमेंट प्रस्तुत की जाये।

2. वर्तमान रोलिंग मिल में सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया गया है अथवा नहीं? सी-हीटिंग फर्नेस स्थापित है तो सी-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा, स्थापित गैसीफायर बाबत जानकारी, प्रयुक्त ईंधन के आधार पर चिमनी की ऊंचाई, ऊंचाई की उपयुक्तता की गणना एवं वर्तमान में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की जाये।

3. क्षमता विस्तार के तहत रोलिंग मिल में सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है अथवा नहीं? यदि सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है तो सी-हीटिंग फर्नेस की संख्या, क्षमता, ईंधन का प्रकार एवं मात्रा,

ba

प्रस्तावित गैसीफायर बायट् जानकारी (यदि हो तो), प्रयुक्त ईंधन के आधार पर विमनी की ऊंचाई, ऊंचाई की उपयुक्तता की मूल्यांकन एवं प्रस्तावित वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की जाये।

4. ग्राउण्ड वॉटर रिचार्जिंग हेतु वर्तमान में स्थापित एवं क्षमता विस्तार के तहत प्रस्तावित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की जाये।
5. उद्योग स्थल सिवियरली पॉल्यूटेड एरिया में होने के कारण छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अटल नगर से क्षमता विस्तार के संबंध में अभिमत प्रेषित करने हेतु अनुरोध किया जाये।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा एस.ई.ए.सी, छत्तीसगढ़ के पत्र दिनांक 31/01/2018 के परिपेक्ष्य में दिनांक 25/07/2018 द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- समिति द्वारा बैठक में विचार - एस.ई.ए.सी, छत्तीसगढ़ की 257वीं बैठक दिनांक 05/10/2018 में प्रकरण पर विचार किया गया। समिति द्वारा नस्ती/जानकारी का अवलोकन किया गया। समिति द्वारा नोट किया गया:-

1. प्रस्तावित इकाई का लेण्ड एरिया स्टेटमेंट प्रस्तुत किया गया है।
2. वर्तमान में सी-हीटिंग फर्नेस (कोल गैसीफायर) आधारित रोलिंग मिल स्थापित है। क्षमता विस्तार के तहत सी-हीटिंग फर्नेस की स्थापना किया जाना प्रस्तावित नहीं है। वर्तमान में कोल गैसीफायर (2X5,000 सामान्य घन मीटर/घंटा) आधारित स्थापित सी-हीटिंग फर्नेस से ही क्षमता विस्तार किया जाना प्रस्तावित है।
3. रेन वॉटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था - उद्योग परिसर की रेन वॉटर हार्वेस्टिंग क्षमता 77.690 घनमीटर है। जिसकी हार्वेस्टिंग हेतु कुल 08 नग रिचार्जिंग टैंक निर्मित किया जावेगा।

समिति द्वारा विचार विमर्श उपरोक्त सर्वसम्मति से प्रकरण बी-1 कटेगरी का होने के कारण भारत सरकार के पर्यावरण, धन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2015 में प्रकाशित स्टैण्डर्ड टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) फॉर ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट फॉर प्रोजेक्ट्स/एक्टिविटीज रिक्वायरिंग इन्वायस्टमेंट क्लीयरेंस अण्डर ईआईए नोटिफिकेशन, 2006 में वर्णित श्रेणी 3(ए) का स्टैण्डर्ड टीओआर (लोक सुनवाई सहित) मेटालर्जिकल इण्डस्ट्रीज (फेरस एण्ड नॉन-फेरस) हेतु जारी करने का निर्णय लिया गया।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार - उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की 80वीं बैठक दिनांक 03/11/2018 में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती का अवलोकन किया गया। विचार विमर्श उपरोक्त प्राधिकरण द्वारा सर्वसम्मति से समिति की अनुशंसा को स्वीकार करते हुये उपरोक्तानुसार टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) (लोक सुनवाई सहित) जारी करने का निर्णय लिया गया।

2./ तदनुसार क्षमता विस्तार के तहत खसरा नं. 720/1, 720/2, 720/3, 720/4, 720/5, 720/6, 720/7, 720/8, 722/1, 722/2, 730/1, 730/2, 730/3, 730/4, 730/5, 730/6, 732/2, 735/2, 736, 737, 721/2, 723, 731, 732/1, 733 एवं 710/10, कुल एरिया 8394 हेक्टेयर, राम-रामनाटा, रामनाटा इण्डस्ट्रीयल एरिया, तहसील-रायपुर, जिला-रायपुर में रोलिंग मिल विश्व गैसीफायर क्षमता-1,20,000 टन/वर्ष से 2,40,000 टन/वर्ष टन/वर्ष एवं वॉयर ड्राइंग क्षमता-60,000 टन/वर्ष से 1,20,000 टन/वर्ष, इन्डक्यान फर्नेस विश्व रोलिंग मिल (हॉट चार्जिंग) क्षमता - 3,00,000 टन/वर्ष, मैल्वेनाइजिंग यूनिट क्षमता - 50,000 टन/वर्ष एवं बाइन्डिंग वॉयर क्षमता - 50,000

Terms of Reference for M/s Hira Steels Limited

3(a): STANDARD TERMS OF REFERENCE FOR CONDUCTING ENVIRONMENT IMPACT ASSESSMENT STUDY FOR METALLURGICAL INDUSTRIES (FERROUS & NON FERROUS) PROJECTS AND INFORMATION TO BE INCLUDED IN EIA/EMP REPORT

A. STANDARD TERMS OF REFERENCE (TOR)

1) Executive Summary

2) Introduction

- i. Details of the EIA Consultant including NABET accreditation
- ii. Information about the project proponent
- iii. Importance and benefits of the project

3) Project Description

- i. Cost of project and time of completion.
- ii. Products with capacities for the propose project.
- iii. If expansion project, details of existing products with capacities and whether adequate land is available for expansion, reference of earlier EC if any.
- iv. List of raw materials required and their source along with mode of transportation.
- v. Other chemicals and materials required with quantities and storage capacities
- vi. Details of Emission, effluents, hazardous waste generation and their management.
- vii. Requirement of water, power, with source of supply, status of approval, water balance diagram, man-power requirement (regular and contract)
- viii. Process description along with major equipments and machineries, process flow sheet (quantities) from raw material to products to be provided
- ix. Hazard identification and details of proposed safety systems.
- x. Expansion/modernization proposals:
 - a. Copy of all the Environmental Clearance(s) including Amendments thereto obtained for the project from MOEF/SEIAA shall be attached as an Annexure. A certified copy of the latest Monitoring Report of the Regional Office of the Ministry of Environment and Forest as per circular dated 30th May, 2012 on the status of compliance of conditions stipulated in all the existing environmental clearances including Amendments shall be provide. In addition, status of compliance of Consent to Operate for the ongoing Existing operation of the project from SPCB shall be attached with the EIA-EMP report.
 - b. In case the existing project has not obtained environmental clearance, reasons for not taking EC under the provisions of the EIA Notification 1994 and/or EIA Notification 2006 shall be provide. Copies of Consent to Establish/No Objection Certificate and Consent to Operate (in case of units operating prior to EIA Notification 2006, CTE and CTO of FY 2005-2006) obtained from the SPCB shall be submitted. Further, compliance report to the conditions of consents from the SPCB shall be submitted.

4) Site Details

- i. Location of the project site covering village, Taluka/Tehsil, District and State. Justification for selecting the site, whether other sites were considered.
- ii. A topsheet of the study area of radius of 10km and site location on 1:50,000/1:25,000 scale on an A3/A2 sheet. (including all eco-sensitive areas and environmentally sensitive places)
- iii. Details w.r.t. potion analysis for selection of site
- iv. Co-ordinates (lat-long) of all four corners of the site.
- v. Google map-Earth downloaded of the project site.



- vi. Layout maps indicating existing unit as well as proposed unit indication storage areas, plant area, greenbelt area, utilities etc. If located within an Industrial area/Estate/Complex, layout of Industrial Area indicating location of units within the Industrial area/Estate.
- vii. Photographs of the proposed and existing (if applicable) plant site. If existing, show photographs of plantation/greenbelt, in particular.
- viii. Land use break-up of total land of the project site (identified and acquired), government/private - agricultural, forest, wasteland, water bodies, settlements, etc shall be included. (not required of industrial area)
- ix. A list of major industries with name and type within study area (10km radius) shall be incorporated. Land use details of the study area
- x. Geological features and Geo-hydrological status of the study area shall be included.
- xi. Details of Drainage of the project upto 5km radius of study area. If the site is within 1 km radius of any major river, peak and lean season river discharge as well as flood occurrence frequency based on peak rainfall data of the past 30 years. Details of Flood Level of the project site and maximum Flood Level of the river shall also be provided. (mega green field projects)
- xii. Status of acquisition of land. If acquisition is not complete, stage of the acquisition process and expected time of complete possession of the land.
- xiii. R&R details in respect of land in line with state Government policy.

5) Forest and wildlife related issues (if applicable):

- i. Permission and approval for the use of forest land (forestry clearance), if any, and recommendation of the state Forest Department. (if applicable)
- ii. Land use map based on High resolution satellite imagery (GPS) of the proposed site delineating the forestland (In case of projects involving forest land more than 40 ha)
- iii. Status of Application submitted for obtaining the stage-I forestry clearance along with latest status shall be submitted.
- iv. The projects to be located within 10 km of the National Parks, Sanctuaries, Biosphere Reserves, Migratory Corridors of wild Animals, the project proponent shall submit the map duly authenticated by Chief Wildlife Warden showing these features vis-a-vis the project location and the recommendations or comments of the Chief Wildlife-theron.
- v. Wildlife Conservation Plan duly authenticated by the Chief Wildlife Warden of the State Government for conservation of Schedule I fauna, if any exists in the study area
- vi. Copy of application submitted for clearance under the Wildlife (Protection) Act, 1972, to the Standing Committee of the National Board for Wildlife.

6) Environmental Status

- i. Determination of atmospheric inversion level at the project site and site-specific micro-meteorological data using temperature, relative humidity, hourly wind speed and direction and rainfall.
- ii. AAQ data (except monsoon) at 8 locations for PM10, PM2.5, SO2, NOX, CO and other parameters relevant to the project shall be collected. The monitoring stations shall be based CPCB guidelines and take into account the pre-dominant wind direction, population zone and sensitive receptors including reserved forests.
- iii. Raw data of all AAQ measurement for 12 weeks of all stations as per frequency given in the NAQPM Notification of Nov. 2009 along with-min, max, average and 98% values for each of the AAQ parameters from data of all AAQ stations should be provided as an annexure to the EIA Report.
- iv. Surface water quality of nearby River (100m upstream and downstream of discharge point) and other surface drains at eight locations as per CPCB/MoEF&CC guidelines.
- v. Whether the site falls near to polluted stretch of river identified by the CPCB/MoEF&CC, if yes give details.
- vi. Ground water monitoring at minimum at 8 locations shall be included.

- vi. Noise levels monitoring at 8 locations within the study area.
- vii. Soil Characteristic as per CPCB guidelines.
- ix. Traffic study of the area, type of vehicles, frequency of vehicles for transportation of materials, additional traffic due to proposed project, parking arrangement etc.
- x. Detailed description of flora and fauna (terrestrial and aquatic) existing in the study area shall be given with special reference to rare, endemic and endangered species. If Schedule I fauna are found within the study area, a Wildlife Conservation Plan shall be prepared and furnished.
- xi. Socio-economic status of the study area.

7) Impact and Environment Management Plan

- I. Assessment of ground level concentration of pollutants from the stack emission based on site-specific meteorological features. In case the project is located on a hilly terrain, the AQIP Modeling shall be done using inputs of the specific terrain characteristics for determining the potential impacts of the project on the AAQ. Cumulative impact of all sources of emissions (including transportation) on the AAQ of the area shall be assessed. Details of the model use and the input data used for modeling shall also be provided. The air quality contours shall be plotted on a location map showing the location of project site, habitation nearby, sensitive receptors, if any.
- II. Water Quality modeling - in case of discharge in water body
- III. Impact of the transport of the raw materials and end products on the surrounding environment shall be assessed and provide. In this regard, options for transport of raw materials and finished products and wastes (large quantities) by rail or rail-cum road transport or conveyor cum-rail transport shall be examined.
- IV. A note on treatment of wastewater from different plant operations, extent recycled and reused for different purposes shall be included. Complete scheme of effluent treatment, Characteristics of untreated and treated effluent to meet the prescribed standards of discharge under E(P) Rules.
- V. Details of stack emission and action plan for control of emissions to meet standards.
- VI. Measures for fugitive emission control.
- VII. Details of hazardous waste generation and their storage, utilization and management. Copies of MOU regarding utilization of solid and hazardous waste in cement plant shall also be included. EMP shall include the concept of waste-minimization, recycle/reuse/recover techniques, Energy conservation, and natural resource conservation.
- VIII. Proper utilization of fly ash shall be ensured as per Fly Ash Notification, 2009. A detailed plan of action shall be provided.
- IX. Action plan for the green belt development plan in 33% area i.e. land with not less than 1,500 trees per ha. Giving details of species, width of plantation, planning schedule etc. shall be included. The green belt shall be around the project boundary and a scheme for greening of the roads used for the project shall also be incorporated.
- X. Action plan for rainwater harvesting measures at plant site shall be submitted to harvest rainwater from the roof tops and storm water drains to recharge the ground water and also to use for the various activities at the project site to conserve fresh water and reduce the water requirement from other sources.
- XI. Total capital cost and recurring cost/annum for environmental pollution control measures shall be included.
- XII. Action plan for post-project environmental monitoring shall be submitted.
- XIII. Onsite and Offsite Disaster (natural and Man-made) Preparedness and Emergency Management Plan including Risk Assessment and damage control. Disaster management plan should be linked with District Disaster Management Plan.

8) Occupational health

- i. Plan and fund allocation to ensure the occupational health & safety of all contract and casual workers

- ii. Details of exposure specific health status evaluation of worker. If the workers' health is being evaluated by pre-designed format, chest x rays, Audiometry, Spirometry, Vision testing (Far 7 Near vision, colour vision and any other ocular defect) ECG, during pre placement and periodical examination give the details of the same. Details regarding last month analyzed data of above mentioned parameters as per age, sex, duration of exposure and department wise.
- iii. Details of existing Occupational & Safety Hazards. What are the exposure levels of hazards and whether they are within Permissible Exposure level (PEL). If these are not within PEL, what measures the company has adopted to keep them within PEL so that health of the workers can be preserved.
- iv. Annual report of health status of workers with special reference to Occupational Health and Safety.

9) Corporate Environment Policy

- i. Does the company have a well laid down Environment Policy approved by its Board of Directors? If so, it may be detailed in the EIA report.
 - ii. Does the Environment Policy prescribe for standard operating process/procedures to bring into focus any infringement/deviation/ violation of the environmental or forest norms/condition? If so, it may be detailed in the EIA.
 - iii. What is the hierarchical system or Administrative order of the company to deal with the environmental issues and for ensuring compliance with the environmental clearance conditions? Details of this system may be given.
 - iv. Does the company have system of reporting of non compliance/violations of environmental norms to the Board of Directors of the company and / or shareholders or stakeholders at large? This reporting mechanism shall be detailed in the EIA report.
- 10) Details regarding infrastructure facilities such as sanitation, fuel, restroom etc. to be provided to the labour force during construction as well as to the casual workers including truck drivers during operation phase.

11) Enterprise Social Commitment (ESC)

- i. Adequate funds (at least 2.5% of the project cost) shall be earmarked towards the Enterprise Social Commitment based on Public Hearing issues and item-wise details along with time bound action plan shall be included. Socio-economic development activities need to be elaborated upon.
- 12) Any litigation pending against the project and/or any direction/order passed by any Court of Law against the project, if so, details thereof shall also be included. Has the unit received any notice under the Section 5 of Environment (Protection) Act, 1986 or relevant Sections of Air and Water Acts? If so, details thereof and compliance/ATR to the notice(s) and present status of the case.
- 13) A tabular chart with index for point wise compliance of above TOR.

B. SPECIFIC TERMS OF REFERENCE FOR EIA STUDIES FOR METALLURGICAL INDUSTRIES (FERROUS & NON FERROUS) (IF APPLICABLE)

- 1) Complete process flow diagram describing each unit, its processes and operations, along with material and energy inputs & outputs (material and energy balance).
- 2) Details on blast furnace/open hearth furnace/basic oxygen furnace/ladle refining, casting and rolling plants etc.
- 3) Details on installation/activation of opacity meters with recording with proper calibration system.
- 4) Details on toxic metals including mercury, arsenic and fluoride emissions.
- 5) Details on stack height requirement for integrated steel.
- 6) Details on ash disposal and management-Non-ferrous metal.
- 7) Complete process flow diagram describing production of lead/zinc/copper/aluminium, etc.
- 8) Raw materials substitution or elimination.
- 9) Details on smelting, thermal refining, melting, slag furning, and Waelz kiln operation.

- 10) Details on Holding and de-gassing of molten metal from primary and secondary aluminium materials pre-treatment, and from melting and smelting of secondary aluminium
- 11) Details on solvent recycling
- 12) Details on precious metals recovery
- 13) Details on composition, generation and utilization of waste/fuel gases from coke oven plant and their utilization
- 14) Details on toxic metal content in the waste material and its composition and end use (particularly of slag).
- 15) Trace metals Mercury, arsenic and fluoride emissions in the raw material.
- 16) Trace metals in waste material especially slag.
- 17) Plan for trace metal recovery
- 18) Trace metals in water


(जी.एल. सांकला)
सदस्य सचिव
एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़

Additional Terms of Reference for M/s Hira Steels Limited

- A. Executive Summary of the EIA/EMP Report.
- B. All documents to be properly referenced with index and continuous page numbering.
- C. Period / date of data collection shall be clearly indicated. Where data are presented in the report especially in tables, the period in which the data were collected and the sources should be indicated.
- D. Project proponent shall enclose all the analysis / testing reports of water, air, soil, noise etc. using the MoEF&CC / NABL accredited laboratories. All the original analysis / testing reports should be available during appraisal of the project.
- E. Where the documents provided are in a language other than English, an English translation should be provided.
- F. While preparing the EIA report, the instructions for the proponents and instructions for the consultants issued by MoEF&CC vide O.M. No. J-11013/41/2006-IA.II(i) dated 4th August, 2009, which are available on the website of this Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India should also be followed.
- G. Changes, if any made in the basic scope and project parameters (as submitted in Form-I and the PFR for securing the TOR) should be brought to the attention of SEIAA and SEAC, Chhattisgarh with reasons for such changes and permission should be sought, as the TOR may also have to be altered. Post Public Hearing changes in structure and content of the draft EIA / EMP (other than modifications arising out of the P.H. process) will entail conducting the PH again with the revised documentation.
- H. The copy of the letter received from SEAC, Chhattisgarh on the TOR prescribed for the project should be attached as an annexure to the final EIA-EMP report. The compliance statement of TOR prescribed should also be incorporated.
- I. The consultants involved in the preparation of EIA-EMP report after accreditation with Quality Council of India (QCI) / National Accreditation Board of Education and Training (NABET) would need to include a certificate in this regard in the EIA-EMP reports prepared by them and data provided by other organization / Laboratories including their status of approvals etc. Name of the Consultant and the Accreditation details shall be posted on the EIA-EMP Report as well as on the cover of the Hard Copy of the Presentation material for EC presentation.
- J. The TORs are valid for a period of three years from the date issue of this letter. However, this period could be further extended by a maximum period of one year provided an application is made by the project proponent at least three months before the expiry of the validity period, together with updated Form - I based on proper justification.


 (जी.एल. सांकला)
 सदस्य सचिव
 एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़